

CLASS-10 (HINDI)

स्पर्श (गद्य खंड)

अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

लेखक - निदा फ़ाज़ली

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक दो पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न 1. बड़े- बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?

उत्तर - बड़े बड़े बिल्डर समुद्र के रेतीले किनारे पर कब्जा करके इस पर मानव - बस्ती बनाने का षड्यंत्र कर रहे थे। इस प्रकार वे मन चाहा धन कमा रहे थे।

प्रश्न 2. लेखक का घर किस शहर में था?

उत्तर- लेखक का घर ग्वालियर में था।

प्रश्न 3. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

उत्तर- आजकल जीवन बंद डिब्बों जैसे घरों में सिमटने लगा है।

प्रश्न 4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

उत्तर - कबूतर की दोनों अंडे फूट गए थे इसलिए वे परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। एक को बिल्ली ने खा लिया था तो दूसरा लेखक की माँ के हाथ से टूट गया था।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

प्रश्न 1. अरब में लश्कर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

उत्तर - लश्कर को अरबवासी नूह के लकब (पदवी) के रूप में याद करते हैं। वह बहुत करुणावान

पदाधिकारी था। इसलिए वह धीरे-धीरे 'नूह' के नाम से जाने जाते हैं। उसे पैगंबर कहा गया।

प्रश्न 2. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?

उत्तर - लेखक की माँ सूरज के ढलने के बाद पेड़ के पत्ते तोड़ने से मना करती थीं। उसे लगता था कि इस

समय पत्ते टूटें तो वे रोते हैं और तोड़ने वाले को बद्दुआ देते हैं।

प्रश्न 3. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?

उत्तर - प्रकृति में आए असंतुलन का दुष्परिणाम बहुत भयंकर हुआ। समुंद्री तूफान आए, भूकंप आए,

आँधियाँ आई, बाढ़ें आई, गर्मी अत्यधिक बढ़ी, असमय बरसाते हुई तथा नए-नए रोग उत्पन्न हुए।

पशु-पक्षी घर से बेघर हो गए।

प्रश्न 4. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा?

उत्तर - लेखक की माँ बहुत दयालु तथा धर्मभीरु स्त्री थी। उसके हाथों से गलती से कबूतर का अंडा फूट गया

था। इस पछतावे के कारण उसने दिन - भर का रोज़ा रखा तथा खुदा से अपना गुनाह माफ करने की

प्रार्थना की।

प्रश्न 5. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए

उत्तर - लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक अनेक बदलाव देखे। उसके देखते - देखते जंगल कट गए। पशु -

पक्षी शहर छोड़कर कहीं भाग गए। जो भाग नहीं सके वे दुर्गति और उपेक्षा सहकर जीते रहे।

प्रश्न 6. 'डेरा डालने' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - डेरा डालने का अर्थ है अपने रहने का स्थान बनाना। उसके लिए आवश्यक साजो - सामान जुटाना।

कबूतरों का डेरा डालने का अर्थ है - अपने बच्चों के लिए घोंसले बनाना। बच्चों के खाने - पीने के

लिए सामग्री जुटाना।

प्रश्न 7. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़कर क्यों उठ खड़े हुए?

उत्तर - शेख अयाज़ के पिता बहुत ही दयालु तथा जीव - प्रेमी मनुष्य थे। उन्होंने भोजन करते समय देखा

कि एक काला च्योंटा उनकी बाजू पर रेंग रहा है। उन्हें लगा कि यह च्योंटा कुँ के पानी के साथ उन तक आ गया है। वह बेघर हो गया है। उसे वापस कुँ के पास छोड़ आना चाहिए। इसी इच्छा से वे भोजन छोड़ कर उठ खड़े हुए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर(50 - 60 शब्दों में) लिखिए -

प्रश्न 1. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - बढ़ती आबादी ने पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया। समुद्र की लहरों को सीमित कर दिया। समुद्र के रेतीले तट पर मानवों की बस्ती बसा दी। आसपास के जंगल काट डाले गए। पेड़ों को रास्तों से हटा दिया गया। पशु - पक्षी बस्तियाँ छोड़कर कहीं भाग गए। वातावरण में गर्मी बढ़ने लगी। कभी तूफान, कभी आँधियाँ, कहीं बाढ़ें तो कहीं नए-नए रोग पैदा होने लगे। इस प्रकार बढ़ती आबादी से पर्यावरण दूषित हो गया।

प्रश्न 2. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी?

उत्तर - लेखक के घर के रोशनदानों में कबूतरों ने अपना डेरा जमा लिया था। वे उसे अपना घर समझकर अधिकार से रहते थे। वे अपने बच्चों की देखभाल के लिए दिन में अनेक बार आया - जाया करते थे। कभी-कभी मस्ती करते हुए वे घर के अंदर चले आते थे। उनके खेल - खेल में लेखक के घर का कोई सामान गिरकर टूट जाता था। कभी-कभी वे लेखक की पुस्तकों की अलमारी पर आ बैठते थे। इससे घर गंदा हो जाता था। इन सब कारणों से बचने के लिए लेखक की पत्नी ने उस खिड़की को बंद करवा दिया, जिससे कबूतर घर में आते थे।

प्रश्न 3. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

उत्तर - समुद्र के गुस्से की मुख्य वजह थी - उसका सिमटना। मुंबई के बिल्डरों ने समुद्र की जमीन छीन कर उस पर मानवों के लिए बस्ती बना डाली थी। इससे समुद्र के लिए अपने पाँव फैलाना तक कठिन हो गया। अतः गुस्से में आकर उसने एक दिन अपनी छाती पर विहार करते हुए तीन जहाज़ों को बच्चों की गेंद की तरह इस तरह उछाल कर फेंका कि उनमें सवार यात्री फिर चलने - फिरने योग्य ना रहे।

प्रश्न 4. 'मिट्टी से मिट्टी मिले,

खो के सभी निशान,

किसमें कितना कौन है,

कैसे हो पहचान'

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 4. इस पद्यांश का आशय है - सब प्राणियों का निर्माण एक ही मिट्टी से हुआ है। उस मिट्टी में न जाने कौन-कौन-सी मिट्टी मिली हुई है। इसका बौद्ध किसी को नहीं है। अतः मनुष्य में कितनी मनुष्यता और कितनी पशुता है - यह किसी को ज्ञात नहीं है। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को किसी पशु से बेहतर न माने।

(ग). निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए -

प्रश्न 1. नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था।

उत्तर - प्रकृति छेड़छाड़ सहन नहीं करती। वह अपने ही नियमों से चलती है। यदि मनुष्य उसकी लीला में किसी प्रकार की छेड़छाड़ करता है तो वह कुपित हो जाती है। प्रकृति का यह क्रोध कुछ सालों पहले मुंबई के समुद्र - तट पर देखा गया था। तब समुद्र की लहरों ने तीन जहाज़ों को गेंद की तरह हवा में

उछाल दिया था। यह तीनों जहाज़ बुरी तरह औंधे मुंह गिरे थे और चकनाचूर हो गए थे।

प्रश्न 2. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।

उत्तर - उदार और महान मनुष्य क्रोध कम करते हैं। वे बहुत ही सहनशील होते हैं। समुद्र भी बहुत विशाल और महान है। इसलिए उसे क्रोध बहुत कम आता है। उसकी लहरें कम ही क्रुद्ध होती हैं।

प्रश्न 3. इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों - चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ - वहाँ डेरा डाल लिया है।

उत्तर - लेखक के मुंबई- स्थित घर के आसपास समुद्र के किनारे मानवों की बस्ती बस गई है। इस बस्ती को बसाने के लिए जंगल काटने पड़े। उसके कारण कितने ही पशुओं तथा पक्षियों को मुंबई छोड़कर अन्य कहीं भागना पड़ा। कुछ पशु - पक्षी शहर छोड़कर नहीं जा सके। वे जंगलों के अभाव में इधर-उधर भटक रहे हैं। वे कभी किसी के घर में घोंसला बनाते हैं तो कभी अन्य किसी के घर में।

प्रश्न 4. शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।' इन पंक्तियों में छुपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - शेख अयाज़ भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए तो उनकी पत्नी ने पूछा कि क्या भोजन अच्छा नहीं बना। तब उन्होंने कहा - नहीं, यह बात नहीं है। मेरे शरीर पर जो काला च्यौंटा आ बैठा है, वह अपने घर से बेघर होकर यहाँ आ गया है। मैं पहले उसे उसके घर छोड़कर आऊँगा। तब भोजन करूँगा। उनके इस कथन में उनकी उदारता छिपी हुई थी। वे बहुत ही करुणावान और दयालु थे।